बनाया जाए जिससे आयुर्वेदिक दवाओं पर नियंत्रण लगाया जा सके, और दूसरी तजवीज यह थी कि जो इस वक्त ड्रग कंट्रेवट एक्ट मौजूद है और जिसमें ड्रग की डैफीनीशन में से आयुर्वेदिक ड्रग्स को निकाल दिया गया है, उस डेफीनेशन में ही सुधार किया जाए तो यह जो दूसरा सुझाव है कि डेफीनीशन में सुधार कर दिया जाए यह ज्यादा मोजूं है ऐसा माना जा रहा है इस वक्त, और इस में क्या प्रकाशन होने चाहिए ताकि जो वैद्य लोग अपनी दवा स्वयं बनाते हैं उनके सस्ते में कोई बाधा न आए, इस पर विचार हो रहा है ।

अध्यक्ष महोदय : जो सवाल पूछा गया था उसका जवाब नहीं दिया गया । सवाल यह था कि यह नियंत्रण आपका महकमा लगाएगा या कोई दूसरा महकमा लगाएगा ।

डा० सुशीला नायर : जाहिर है कि यही मंत्रालय लगाएगा, दूसरा कौन लगा सकता है ।

Fruit and Cattle Farms

\+

*653. **Shri Raghunath Singh:**
Shri P. C. Borooah:
Shri P. K. Deo:

Will the **Minister of Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether high-altitude fruit and cattle farms are being established in India; and

(b) if so, where?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) and (b). No high altitude fruit farm is being established by the Government of India at present but certain schemes are under consideration. So far as Cattle Farms are concerned, it has established a Jersey Breeding Farm at Kataula in Mandi District of Himachal Pradesh.

श्री रघुनाथ सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि लद्दाख क्षेत्र को जोकि हाई आल्टीट्यूड पर है और जहां २० हजार वर्गमील एरिया आबाद नहीं है, उस को आबाद और विकसित करने के लिये क्या योजना है ?

डा० राम सुभग सिंह : लद्दाख की राजधानी लेह से पांच मील की दूरी पर एक एक्सपैरीमेंटल फार्म और वह बहुत अच्छे ढंग से विकसित किया जा रहा है । उस में फलों के पौधे, साग सब्जियों के पौधे और दूसरे प्रकार के मकई वगैरह के पौधे भी उगाये जा रहे हैं ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, अभी माननीय मंत्री जी ने बताया कि इस सम्बन्ध में विचार किया जा रहा है, मैं जानना चाहता हूं कि किन किन स्थानों के सुझाव इस संबंध में शासन के सामने आये हैं और कब तक उन पर निर्णय हो जायगा ?

डा० राम सुभग सिंह : एपिल और चैरी पदा करने के लिये हिमाचल प्रदेश के महासू जिले के खदरौला स्थान में एक फार्म बनाने पर विचार किया जा रहा है । इस के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश के कन्नौर जिले में होल्स्टीन कैटिल फार्म खोलने पर विचार किया जा रहा है । याक ब्रीडिंग के लिये लद्दाख में, हिमाचल प्रदेश में कन्नौर में और भी स्थानों में जो दस पन्द्रह हजार फीट ऊंचाई पर है फार्म खोलने पर विचार किया जा रहा है जहां याक को विकसित किया जाय । याक को विकसित करने के लिये कन्नौर में भी एक केन्द्र खोला जायगा ।

Shri Hem Raj: There are certain cattle farms and fruit stations opened by the State Government. Do Government propose to give subsidy to those cattle farms and fruit farms?

Dr. Ram Subhag Singh: Perhaps, the hon. Member is referring to those stations that have been opened near Palampur.

Shri Hem Raj: I am referring to those in Lahaul and Spiti.

Dr. Ram Subhag Singh: They can be covered by our high altitude schemes. For Yak and other cattle we shall see that something is done there.

Shri Abdul Ghani Goni: May I know whether Government is content with opening only one high altitude agricultural farm in Ladakh? In view of the fact that in the Kargil area the same climatic conditions obtain, will Government consider opening a farm there?

Dr. Ram Subhag Singh: Kargil area is a little more developed than Leh area, but we will certainly see that Kargil gets its share. Besides Kargil, we want to develop Nubra valley, as well.

श्री सरजू पाण्डेय: मैं यह जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कहां कहां इस प्रकार की योजना चालू करने पर विचार किया जा रहा है ?

डा० राम सुभग सिंह : अल्मोड़ा में डा० बोशी सेन की एक फार्म है, और मवेशियों की एक फार्म उत्तर प्रदेश के कालसी नामक स्थान में खोलने का विचार था जहां हम जरसी कटिल को विकसित करना चाहते थे । लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि हम खुद इस काम को चलावेंगे । उन्हों ने यह इच्छा प्रकट की है कि यहां से केवल रुपये की इमदाद उन को दी जाय । इस पर विचार किया जा रहा है ।

Purna Hydro-Electric Project

+

*654. { **Shri P. Venkatasubbaiah:**
Shri Mohsin:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether the International Development Association, an affiliate body of the World Bank, has extended a loan to construct e Purna Hydro-electric Project in Maharashtra;

(b) if so, the quantum of loan assistance; and

(c) whether Government have asked for similar assistance for some other Hydro-electric projects in the country?

The Parliamentary Secretary to the Ministry of Irrigation and Power (Shri S. A. Mehdi): (a) and (b). The International Development Association has agreed to extend a loan of 13.00 million dollars for the Purna Project. The loan agreement was signed on the 18th July, 1962.

(c) Similar assistance was asked for and has been given for the Second Stage of the Koyno Hydro Electric Project. This agreement was signed on the 8th of August, 1962 for a loan of $ 17.5 million.

Shri P. Venkatasubbaiah: May I know whether Government propose to seek similar assistance for some of the important hydro-electric projects such as the Sharavathy and Srisailam projects?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): The Sharavathy project is already going on, and we have secured the necessary foreign assistance for it. The hon. Member is asking about the arrangement that we are going to have for the Srisailam project....

Mr. Speaker: He is making a suggestion that some other help might be sought for other projects.

Shri P. Venkatasubbaiah: I was referring to the Srisailam project, and asking whether any assistance was being sought for that project.

Shri Alagesan: When that project is finalised and approved it will be time to take up this question

श्री विभूति मिश्र : अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि वर्ल्ड बैंक से कर्ज लिया जा रहा है तो मैं जानना चाहता हूं कि सूद की दर क्या है ?